वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 198 | रविवार 13 नवम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जैन विश्व भारती संस्थान के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल मिश्र ने की शिरकत

शिक्षा समाज को बेहतर बनाने का महत्वपूर्ण साधनः राज्यपाल

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल कलराज मिश्र ने शनिवार को नागौर जिले के लाडनूं स्थित जैन विश्व भारती संस्थान के दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। राज्यपाल ने दीक्षांत समारोह में कहा कि शिक्षा जीवन और समाज को बेहतर बनाने का महत्वपूर्ण साधन है। उन्होंने शिक्षा के प्रसार को राष्ट्र के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण जरिया बताते हुए कहा कि किताबों से ज्ञान व्यक्ति के मस्तिष्क में सदा के लिए संग्रहित हो जाता है इसलिए उनका पढ़ना सदा ही व्यक्ति को उर्वर करता है। उन्होंने नई पीढ़ी को संविधान के प्रति जागरूक करने की दृष्टि से विश्वविद्यालयों में संविधान वाटिका की स्थापना की पहल के बारे में बात करते हुए जैन विश्वभारती संस्थान में संविधान वाटिका की स्थापना का भी सुझाव दिया। उन्होंने नागौर के एक छोटे से कस्बे लाडनूं में आचार्य तुलसी की प्रेरणा से स्थापित जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय की सराहना करते हुए यहां से शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने अपने संबोधन में कहा कि संस्थान के विद्यार्थी भारत को विकसित भारत बनाने में योगदान दें। उन्होंने विश्वविद्यालय को नैतिक शिक्षा देने वाला अनुपम संस्थान बताया। अनुशास्ता आचार्य महाश्रमण ने पदक व डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों व शोधार्थियों को अनुशासन की सीख दी और कहा कि ज्ञान जीवन का पवित्र तत्व है इसे आत्मसात करें। राज्यपाल मिश्र ने समारोह में उपस्थित सभी को संविधान की प्रस्तावना का वाचन करवाया एवं मूल कर्तव्य पढ़ कर सुनाए। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि पूर्व लोकसभा सदस्य संजीव नायक,कुलपति प्रो. बच्छराज दुगड सहित अन्य उपस्थित थे। इससे पहले राज्यपाल मिश्र की हेलीपैड पहुंचने पर संभागीय आयुक्त बीएल मेहरा, पुलिस महानिरीक्षक रुपिंदर सिंह,जिला कलक्टर पीयूष सामरिया एवं पुलिस अधीक्षक राममूर्ति जोशी सहित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अगुआनी की ।

राज्यपाल मिश्र से लोकसभा अध्यक्ष की मुलाकात

राज्यपाल कलराज मिश्र से शनिवार को राजभवन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मुलाकात की। इस दौरान उनके मध्य राज्य के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई।

निशुल्क नेत्र जांच एवम विशाल रक्तदान शिविर आयोजित

शिविर मे 1500 रोगियो की नेत्र जांच की, 130 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया, रक्तदाताओं को यातायात अवेयरनेस के लिए हेलमेट दिये...

145 का नेत्र लेंस प्रत्यारोपण आज होगा, 14 नवम्बर को सुबह 9.30 बजे सम्मान व समापन होगा

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल सन्मति ग्रुप द्वारा एवं सोश्यल एन्ड ब्लड ऐड सोसायटी, जयपुर द्वारा सेठ जगन्नाथ कपूरचन्द मेमोरियल ट्रस्ट, झिलाय, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर एवं श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन समिति ,मीरा मार्ग मानसरोवर के सयुंक्त तत्वावधान में झिलाय तहसील निवाई मे 12 नवम्बर निशुल्क नेत्र जांच एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर पीयूष त्रिवेदी द्वारा निशुल्क एक्युप्रेशर शिविर भी लगाया गया। आयोजक डॉक्टर पी सी जैन ने बताया कि शिविर के अंतर्गत दिनांक 12 नवम्बर 2022 को नेत्र जांच तथा रक्तदान शिविर एवं एक्युप्रेशर शिविर का आयोजन ग्राम झिलाय तहसील निवाई जिला टोंक मे किया गया। सन्मति ग्रुप के अध्यक्ष राकेश गोदिका व सचिव अनिल रावका ने बताया कि शिविर मे नेत्र लेंस प्रत्यारोपण के लिए चयनित 145 रोगियों को लैंस प्रत्यारोपण के लिए ''आदिनाथ भवन'' मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर मे 12 नवम्बर को सांय 05.00 बजे लाया गया जहां पर 13 नवम्बर 2022 लैंस प्रत्यारोपण के लिए चयनित रोगियो का डॉक्टर विरेंद्र लेजर आई हॉस्पिटल टोंक रोड जयपुर पर ऑपरेशन करवाकर वापस 'आदिनाथ भवन' लाया जायेगा। रीजन अध्यक्ष राजेश बडजात्या व मंत्री निर्मल संघी ने बताया कि दिनांक 14 नवम्बर 2022 को प्रातः 9.30 बजे सम्मान एवम समापन समारोह के पश्चात सभी रोगियों को ग्राम झिलाय वापस भेजा जाएगा। श्री आदिनाथ समिति के अध्यक्ष सुशील पहाडिया व मंत्री राजेंद्र सेठी के अनुसार शिविर मे निम्न संस्थाओं जैन सोश्यल ग्रुप महानगर, जयपुर श्री आदिनाथ फाउंडेशन, मानसरोवर, श्री आदिनाथ महिला जागृति परिषद्, जैन सोश्यल ग्रुप राजधानी, जयपुर का भी सहयोग हुआ। सन्मति ग्रुप के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष लोग्या ने बताया कि शिविर के लिए कमल-मंजू ठोलिया, प्रदीप-प्राची जैन, राजेश-रानी पाटनी, संजीव-रश्मी जैन को संयोजक बनाया गया है।

सेठ जगन्नाथ कपूरचन्द जैन मेमोरियल ट्रस्ट, झिलाय
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन, राज. रीजन, जयपुर
श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन समिति, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर
के संयुक्त तत्वावधान में
सोश्यल एण्ड ब्लड एड सोसायटी, जयपुर (SABAS) Reg. 834/06-07
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर द्वारा
8 वाँ नि:शुल्क नेत्र जाँच, लैस प्रत्यारोपण एवं रक्तदान शिविर
सम्मान एवं समापन समारोह
सोमवार, 14 नवम्बर 2022
प्रात: 9.30 बजे से
स्थान : श्री आदिनाथ भवन
मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर
2013 से 2019 तक आयोजित 7 शिविरो में लगभग 7000 रोगियों की नेत्र जाँच एवं 1067 नेत्र लैंस प्रत्यारोपण ऑपरेशन करवाये गये हैं।
दीप प्रज्ज्वलनकर्ता: श्रीमान् सुशील कुमार पहाड़िया, अध्यक्ष, श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन समिति
मुख्य अतिथि: श्रीमती तारा देवी अजमेरा, धर्मपत्नी ला. श्री राजेन्द्र कुमार अजमेरा, श्री विनीत, श्री विशाल अजमेरा
अध्यक्षता: श्रीमान् सुरेन्द्र कुमार पाण्ड्या, राष्ट्रीय महामंत्री, दिगम्बर जैन महासमिति
गौरवमय अतिथि: श्रीमान् यशकमल अजमेरा, निवर्तमान अध्यक्ष, दि. जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन, जयपुर
गौरवमय अतिथि: श्रीमान् राजीव जैन, पी.आर.ओ., जैन सोश्यल ग्रुप फेडरेशन नॉर्दन रीजन
विशिष्ट अतिथि: श्रीमान् महेन्द्र कुमार रावंका, प्रमुख समाजसेवी, मानसरोवर
विशिष्ट अतिथि: श्रीमान् विजय जैन झांझरी, प्रमुख समाजसेवी, मानसरोवर
शिविर सहयोगी
जैन सोश्यल ग्रुप महानगर, जयपुर * श्री आदिनाथ फाउण्डेशन, पटेल मार्ग, मानसरोवर, जयपुर
जैन सोश्यल ग्रुप राजधानी, जयपुर * श्री आदिनाथ महिला जागृति परिषद्, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर

नवीन जिनालय शिलान्यास एवं पिच्छिका परिवर्तन समारोह 20 को

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। जैन अतिशय क्षेत्र टिकटोली में नवीन जिनालय शिलान्यास एवं पिच्छिका परिवर्तन समारोह 20 नबम्बर को भव्यता पूर्वक मनाया जाएगा। अतिशय क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष राजेन्द्र भण्डारी द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार परम पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के आज्ञानुवर्ती शिष्य मुनिश्री अजितसागर जी महाराज ससंघ क्षेत्र पर विराजमान हैं । पूज्य आचार्य श्री के मंगल आशीर्वाद एवं पूज्य मुनिश्री की पावन प्रेरणा व उनके ही ससंघ सानिध्य में एक विशाल एवं भव्य नवीन जिनालय का शिलान्यास समारोह रविवार 20 नबम्बर को श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र टिकटोली (जौरा) मुरेना में आयोजित होने जा रहा है । उक्त समारोह में अशोक पाटनी (आर के मार्वल) किशनगण, व्हर पवन जैन (डीजीपी होमगार्ड) भोपाल, आर के जैन (पूर्व कलेक्टर), जिनेश जी जैन (अध्यक्ष जैन समाज) अम्बाह, सुनील जैन (वूमेन फैशन) सूरत, प्रदीप जैन मामा, रविन्द्र जैन पत्रकार भोपाल, सुनील जैन (मोना जनरेटर) दिल्ली सहित सम्पूर्ण भारतवर्ष के जैन समाज के श्रेष्ठिवर्ग विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। ज्ञातब्य हो कि जैन अतिशय क्षेत्र काफी प्राचीन क्षेत्र है। यहां पर एक ही पत्थर में भगवान शांतिनाथ, कुंथनाथ एवं अरहनाथ की खड्गासन प्रतिमाएं उकेरी गईं हैं। इसके साथ ही मानस्तंभ सहित अन्य तीर्थंकरों की प्रतिमाएं भी मौजूद हैं । क्षेत्र का प्राकृतिक सौंदर्य अदभुद है । मन्दिर जी के बाजू में अनवरत रूप से गिरने वाला झरना सभी का मनमोह लेता है । प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण अति प्राचीन जैन तीर्थंकरों की मूर्तियों से सुशोभित अतिशय क्षेत्र टिकटोली जैन धर्म की प्राचीनता को सिद्ध करता है । यह क्षेत्र जिला मुख्यालय मुरेना से जौरा होते हुए लगभग 50 किलो मीटर की दूरी पर स्थित है । क्षेत्र पर विशाल एवं भव्य प्रवचन हॉल, धर्मशाला, भोजनालय, केंटीन सहित सभी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध है। इस वर्ष क्षेत्र पर प्रशममूर्ति मुनिश्री अजितसागर जी महाराज ससंघ का चातुर्मास हुआ है । नवीन जिनालय के शिलान्यास के पावन अवसर पर चातुर्मासरत सभी साधुओं का पिच्छिका परिवर्तन का कार्यक्रम भी होगा। साधर्मी बन्धु सभी साधुओं को नवीन पिच्छिका भेंट करेंगे। समारोह में प्रातः 7 बजे अभिषेक, शांतिधारा, पूजन के पश्चात नवीन जिनालय का शिलान्यास होगा। ततपश्चात दोपहर 2 बजे पिच्छिका परिवर्तन समारोह का आयोजन होगा। क्षेत्र पर पहुचने के लिए मुरेना एवं जौरा से निःशुल्क यातायात व्यवस्था उपलब्ध रहेगी, साथही सभी के आवास एवं भोजन की समुचित व्यवस्था की गई है ।

अन्तराष्ट्रीय सेमीनार में डेयरी क्षेत्र में महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने का आह्वान

उदयपुर. शाबाश इंडिया

महाराणा प्रताप कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय उदयपुर के संघटक डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय उदयपुर एवं एलुमनी एसोसिएशन सीडीएफटी के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को राजस्थान कृषि विद्यालय के सभागार में ''भारतीय डेयरी एवं खाद्य उद्योग विजन-2030'' विषयक एक दिवसीय अन्तर राष्ट्रीय सेमीनार आयोजित हुई। सेमिनार में मुख्य वक्ता एस.एस. मान ने डेयरी व्यवसाय की बारीकियों की जानकारी देते हुए छात्रों का आह्वान किया कि वे इस क्षेत्र में उपलब्ध तकनीक के प्रयोग से पशुपालकों को अधिक से अधिक लाभ पहुँचाने का प्रयास करें। मान ने आने वाले समय में डेयरी एवं फूड के क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों का विवरण भी प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि राजस्थान सहकारी डेयरी फेडरेशन की प्रबन्ध संचालक सुषमा अरोड़ा ने डेयरी के क्षेत्र में महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने पर बल दिया। इस दौरान विशिष्ठ अतिथि गुजरात कोपरेटिव मिल्क मार्केटिंग लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जयन मेहता, डेयरी एवं खाद्य तकनीकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. लोकेश गुप्ता, कुलपति प्रो. अजीत कुमार कर्नाटक सहित नीदर लैंड से आए डॉ.आर एस बसेरा ने भी डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी की सम्भावनाओं पर प्रकाश डाला। इससे पहले अतिथियों का स्वागत एलुमनी एसोसिएशन अध्यक्ष डॉ. करूण चण्डालिया ने किया तथा आभार महासचिव निर्भय गोयल ने व्यक्त किया। इस अवसर पर अतिथियों ने स्मारिका का विमोचन भी किया। बता दें, इस सेमिनार में 500 से अधिक छात्रों, प्रोफेशनल, शोधकर्ताओं एवं उद्योगपतियों ने भागीदारी निभाई।

रिपोर्टः राकेश शर्मा 'राजदीप'

वेद ज्ञान

आस्था की दृढ़ता

आस्था के फूल हृदय की पवित्रता रूपी क्यारी में उगे मनोहारी पौधे पर ही खिल सकते हैं। वही आस्था लक्ष्य को पाने में समर्थ हो सकती है जिसकी जड़ें मौलिकता की खाद से उर्वरा शक्ति पाती हैं। मन के मैलेपन से पनपी आस्था उसके धारण करने वाले को किसी भी मुकाम पर छोड़ देने के लिए विवश हो सकती है। आस्था भक्ति, प्रेम, अपनत्व व आनंद की आधारशिला है। आस्था का दायरा बहुत बड़ा है। अध्यात्म में जब तक भक्त भगवान पर आस्था नहीं रखता, तब तक वह परमेश्वर की अनुभूति नहीं कर सकता। दुनिया का इतिहास इस बात का साक्षी है कि आस्थावान लोगों ने ही कामयाबी के कीर्तिमान स्थापित किए हैं। आस्था के पवित्र सरोवर में खिले भावकमल ही प्रभुकृपा का उत्तम प्रसाद पाने के एकमात्र अधिकारी हैं। आस्था की दृढ़ता अपने और अपने आराध्य के मध्य मिलन की दूरी व खाई को पाट देती है। आस्था अपने मंतव्य, गंतव्य व आराध्य को पाने की वह जादुई डोरी है, जिसकी शक्ति, भक्ति व सामर्थ्य से प्रभु, प्रेमी व लक्ष्य स्वयं ही उसकी ओर आकर्षित होते चले आते हैं। दृढ़ इरादों से विरचित आस्था के मंसूबे धारक को उसकी मनोकामनाओं की अंतिम मंजिल तक पहुंचाने की गारंटी देते हैं। आस्था अपने साथ विश्वास, नैतिकता, मूल्य व जीवटता को लेकर चलती है, जो भटकते राहगीरों व जीवन-सागर में दिशाहीन होकर समय के थपेड़े खाते मानव व जीव समुदाय को सही राह दिखाती है। आस्था के बगैर कोई भी जीवन में आनंद व खुशी पाने की कल्पना नहीं कर सकता। आस्था मूल्यवान सृष्टि की रचना करती है, जिसका उद्देश्य विशुद्ध रूप से आराधना में पवित्रता के साथ-साथ जीवन को एक उत्तम उद्देश्य के लिए प्रेरित करना होता है। आस्था की प्रबलता, प्रभु की अपने प्रति आसक्ति और करुणा-प्रीति के बढ़ने की द्योतक होती है। उत्साह भी आस्था की ही आत्मजा है जो इससे प्रेरणा पाकर प्रभु मिलन व उनके साक्षात्कार में सहायक होती है। आस्था पवित्र भावों की वह मंदाकिनी है जिसमें स्नान करने की लिए देवगण स्वयं ही उत्कंठित रहते हैं। आस्था ही भक्ति व भक्त का कवच है। आस्था भक्त के पास ईश्वरीय अनुकंपा की अमोघ शक्ति है, जिससे वह किसी भी पावन जीवन-लक्ष्य की प्राप्ति में सफल हो सकता है। जीवन के अनमोल वैभवों को पाने और आत्मिक व असली आनंद प्राप्ति का मूल मंत्र है आस्था। समृद्धि, खुशहाली, भौतिक, आध्यात्मिक उन्नति और आनंद की जीवन-डोर है आस्था।

संपादकीय

राज्यपाल और निर्वाचित सरकार के बीच टकराव की स्थिति

दक्षिण के तीन प्रदेशों में इन दिनों राज्यपाल और निर्वाचित सरकार के बीच टकराव की स्थिति बनी हुई है। राज्यपाल अपने अधिकार का उपयोग करना चाहते हैं, तो राज्य सरकारें अपने निर्वाचित होने का हवाला दे रही हैं। केरल में राज्यपाल ने कुछ दिनों पहले दस विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से इस्तीफा मांग लिया। उनका कहना था कि उनकी नियुक्ति में तय नियम-कायदों का पालन नहीं किया गया। इसे लेकर राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच ठन गई। बाद में उच्च न्यायालय ने राज्यपाल के आदेश पर रोक लगा दी। अब राज्य सरकार ने राज्यपाल का विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति का दर्जा समाप्त करने का अध्यादेश पारित कर दिया है। हालांकि उस पर भी राज्यपाल की मंजूरी आवश्यक है, मगर अपने-अपने अधिकारों को लेकर जंग छिड़ी हुई है। इसके अलावा कुछ दिनों पहले राज्यपाल ने सरकार के एक मंत्री को हटाने के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा, जो स्वाभाविक ही राज्य सरकार को नागवार गुजरा

और उसे लेकर भी दोनों के अधिकार क्षेत्र पर बहस शुरू हो गई। इसी तरह तमिलनाडु सरकार ने राष्ट्रपति को पत्र लिख कर वहां के राज्यपाल को हटाने की मांग की है। उसका आरोप है कि राज्यपाल उसके कामकाज में बेजा दखल दे रहे हैं। तेलंगाना के राज्यपाल का आरोप है कि राज्य सरकार उनका फोन 'टैप' करा रही है। हालांकि राज्यपाल या उपराज्यपाल और चुनी हुई सरकारों के बीच तनातनी के ये मामले नए नहीं हैं। पश्चिम बंगाल में भी कुछ दिनों पहले तक राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच इसी तरह लगातार टकराव बना रहा। राज्यपाल सरकार के कामकाज और फैसलों पर अंगुली उठाते रहे, तो सरकार उन्हें चुनौती देती रही। दिल्ली में उपराज्यपाल और सरकार के बीच तनातनी का दौर बहुत लंबे समय से चलता आ रहा है। यहां आम आदमी पार्टी सरकार का लगभग सभी उपराज्यपालों से तकरार बनी रही। शुरू में दोनों के बीच अधिकारों की लड़ाई उच्च न्यायालय तक भी पहुंची थी। झारखंड और राजस्थान में भी अलग-अलग मौकों पर कुछ मसलों पर इस तरह के टकराव देखे जाते रहे हैं। इस तरह विपक्षी दलों को यह कहने का मौका मिलता है कि जहां भी विपक्षी दलों की सरकारें हैं, वहां राज्यपाल उनके कामकाज में बेवजह दखल देने का प्रयास करते देखे जाते हैं, जबकि भाजपा सरकारों वाले प्रदेशों में ऐसी स्थिति नहीं है। ऐसे में राज्यपाल पद की गरिमा और मर्यादा को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। यह ठीक है कि राज्य सरकारें निर्वाचित होती हैं, उन्हें जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए काम करने का अधिक अधिकार होता है और राज्यपाल को उनके कामकाज को सुगम बनाने के लिए बेहतर स्थितियां बनाने का दायित्व निभाना होता है। मगर इसका यह अर्थ नहीं कि सरकारें राज्यपाल को केंद्र का 'आदमी' मान कर नजरअंदाज करें या उनकी अवहेलना करें। पर राज्यपाल से भी अपेक्षा की जाती है कि वे अपने को केंद्र के सत्तारूढ़ दल का प्रतिनिधि मान कर उसकी विचारधारा के अनुरूप राज्य सरकार से काम करवाने का प्रयास करने के बजाय राज्यपाल की गरिमा के अनुरूप काम करें। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

जांच पर सवाल

विपक्ष लंबे समय से आरोप लगाता रहा है कि केंद्र सरकार जांच एजंसियों का दुरुपयोग कर रही है। विपक्षी नेताओं को सबक सिखाने के मकसद से इन एजंसियों का इस्तेमाल कर रही है। अब सर्वोच्च न्यायालय ने उस आरोप पर जैसे मुहर लगा दी है। शिवसेना के राज्यसभा सांसद संजय राउत की जमानत मंजूर करते हुए अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय को फटकार लगाई और कहा कि यह गिरफ्तारी अवैध है। हालांकि प्रवर्तन निदेशालय ने अदालत के इस फैसले पर पुनर्विचार की गुहार लगाई, पर उसे खारिज कर दिया गया। अदालत ने यह भी कहा कि मामले के मुख्य आरोपियों को आज तक गिरफ्तार नहीं किया गया और राउत के खिलाफ पुख्ता सबूत न होने के बावजूद आनन-फानन गिरफ्तार कर लिया गया। इससे सरकार पर विपक्ष को हमला बोलने का एक और मौका मिल गया है। फिर, यह अकेला मामला नहीं है, जिसमें किसी विपक्षी नेता को प्रवर्तन निदेशालय या आयकर विभाग जैसी दूसरी एजंसियों द्वारा गिरफ्तार किया गया। राउत को तीन महीने से ऊपर जेल में बिताना पड़ा। इससे यह भी सवाल उठाया जा रहा है कि एक राज्यसभा सांसद को प्रवर्तन निदेशालय जब इस तरह अवैध ढंग से गिरफ्तार कर सकता है, तो दूसरे लोगों के बारे में उसके रवैए का अंदाजा लगाया जा सकता है। प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग जैसी जांच एजंसियां यों तो स्वतंत्र रूप से काम करती बताई जाती हैं, मगर पिछले कुछ सालों से जिस तरह लक्ष्य करके विपक्षी दलों के नेताओं पर ही शिकंजा कसने का प्रयास करती देखी जा रही हैं, उसे लेकर सवाल उठने स्वाभाविक हैं। कई मामलों में आरोपियों को जमानत मिल चुकी है। हालांकि कई ऐसे गंभीर मामले हैं, जिनमें सत्तापक्ष के नेता आरोपी हैं, मगर उनके खिलाफ आज तक जांच की जरूरत नहीं समझी गई। कई नेता जो पहले दूसरे दलों में थे और उन पर किसी बड़े घोटाले या भ्रष्टाचार में शामिल होने के आरोप हैं, पर वे सत्तारूढ़ दल में शामिल हो गए, तो उन पर भी चुप्पी साध ली गई। अगर जांच एजंसियां सचमुच स्वतंत्र और निष्पक्ष होकर काम करतीं, तो इस तरह पक्षपातपूर्ण रवैया अख्तियार नहीं करतीं। हालांकि यह कोई नई बात नहीं है कि केंद्र में सत्तारूढ़ दल जांच एजंसियों का अपने मकसद के लिए इस्तेमाल कर रहा है। पहले की सरकारों पर भी यह आरोप लगता रहा है। मगर इस आधार पर जांच एजंसियों को अपने कर्तव्य से मुंह फेर लेने का आधार नहीं मिल जाता। अच्छी बात है कि सर्वोच्च न्यायालय ने ताजा मामले में प्रवर्तन निदेशालय को फटकार लगाते हुए उसका कर्तव्य याद दिलाया। हालांकि निदेशालय इसे कब तक याद रख पाएगा, दावा नहीं किया जा सकता। पर कम से कम उससे यह उम्मीद तो की जा सकती है कि किसी भी मामले में जांच करते हुए पुख्ता सबूतों के बिना किसी की गिरफ्तारी न करे। इस तरह किसी को महज इस मकसद से गिरफ्तार कर लेना कि उसका मनोबल तोड़ा और सत्तापक्ष की तरफ झुकाया तथा दूसरों का भयादोहन किया जा सकता है, जांच एजंसियों के लिए नैतिक रूप से उचित नहीं कहा जा सकता। सरकार तो शायद ही इस मामले से कोई सबक ले, पर जांच एजंसियों को जरूर अपनी मर्यादा का ध्यान रखने की जरूरत है। बिना किसी आधार के किसी को गिरफ्तार करने से जो उसका समय बर्बाद होता, उसके मन पर प्रतिकूल असर पड़ता और समाज में छवि खराब होती है, उसकी भरपाई भला कौन करेगा। इसकी जवाबदेही किस पर होनी चाहिए।

बच्चों सहित बड़ों को खूब पसंद आई अनकही- अनसुनी कहानियां

उदयपुर टेल्स (स्टोरी टेलिंग फेस्ट)

तीन दिवसीय इंटरनेशनल स्टोरी टेलिंग फेस्टिवल (उदयपुर टेल्स) का समापन आज

उदयपुर. शाबाश इंडिया

मां माय एंकर फाउण्डेशन की ओर से आयोजित उदयपुर टेल्स इन्टरनेशनल टेलिंग फेस्टिवल में दूसरे दिन शनिवार को सुबह शाम के सत्र में कही-सुनाई कहानियों ने नन्हें मुन्नों सहित युवाओं और बड़ों को खासा प्रभावित किया। दोपहर को कहानियों के दौर के बीच सेन्ट्रल जेल उदयपुर से बैण्ड के साथ पहुंचे चार कैदियों ने संगीत और गायकी की सुरीली बानगी पेश कर समा बांध दिया। दूसरे दिन किस्सागोई के दौर का आगाज उषा वैंकटरमन की कहानी ''हाउस ऑफ सन एण्ड मून'' से हुआ। इस कहानी के माध्यम से उन्होंने पर्यावरण एवं जल संचय का सहज सन्देश भी दिया। इसके बाद श्रीलंका से आई कहानीकार डॉ. समाथिया फरनान्डो का स्वागत बच्चों ने मेवाड़ी अंदाज में गर्मजोशी से किया। डॉ. समाथिया ने अपने अलग अंदाज में 'अनहर्ड स्टोरीज ऑफ श्रीलंका' प्रस्तुत कर बच्चों को हमेशा आत्मविश्वास और आत्मबल बनाए रखने का सन्देश दिया। दोपहर के सत्र के समापन पूर्व दिल्ली से आये वरूण नारायण ने चिरपरिचित अंदाज में कठपुतली के माध्यम से शो स्कूली बच्चों को विज्ञान से रूबरू कराया। इसी सत्र में सेन्ट्रल जेल से आउट ऑफ द बॉक्स बैण्ड के साथ आये चार कैदियों ने गीत संगीत की मधुर धुनों से आमजन को मुग्ध कर दिया। बता दें, सुबह के सत्र में मंच संचालन वरिष्ठ रंगकर्मी विलास जानवे ने किया। रात्रि कालीन सत्र की पहली प्रस्तुति में लखनऊ से आए डॉ. हिमांशु बाजपेई ने आजादी के मतवालों की दास्तां 'काकोरी काण्ड' को प्रभावी अंदाज में पेश कर उपस्थित दर्शकों से खासी सराहना पाई। दूसरी प्रस्तुति 'नारी बाई' में बॉलीवुड अभिनेत्री सुष्मिता मुखर्जी ने नारी जीवन की त्रासदी को बड़े बेबाक और प्रभावपूर्ण तरीके से प्रस्तुत कर स्टेंडिंग ओवेशन पाया। रात्रिकालीन सत्र का समापन अनुराग श्रीवास्तव और अर्चित डेनियल के इंडो वेस्टर्न बैंड की खास सांगीतिक पेशकश के बाद हुआ।

रिपोर्ट एवम फोटो: राकेश शर्मा
'राजदीप' मोबाइल : 9829050939

हस्तशिल्पियों को प्रोत्साहित करती 17 दिवसीय सिल्क ऑफ इंडिया प्रदर्शनी शुरू

उदयपुर. शाबाश इंडिया

श्रीकृष्णा आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स की ओर से नगर निगम प्रांगण में शनिवार से 17 दिवसीय सिल्क ऑफ इंडिया एनआरआई शॉपिंग फेस्टिवल का आगाज हुआ। जिसमें देश के विभिन्न प्रान्तों के प्रसिद्ध आइटमों की करीब 80 स्टॉल लगायी गई है। आयोजन से जुड़े योगेन्द्रसिंह (पिंटू) ने बताया कि शहर में पहली बार आयोजित इस प्रदर्शनी में हेण्डलूम के अलावा अन्य विभिन्न प्रकार के उत्पाद एक ही छत के नीचे आमजन को सुबह 11 से रात 9 बजे तक किफायती कीमत पर बिक्री के लिए उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी में कश्मीर, बिहार के भागलपुर, उत्तर प्रदेश के झांसी और मेरठ, कोलकाता, खुर्जा, भदौही, सहारनपुर के प्रसिद्ध उत्पाद शामिल है। जिसमें शॉल, साड़ी, सूट्स, फैशन ज्वैलरी, होम फर्निशिंग, ब्रास के आर्टिकल्स, कुर्ते, खादी के शर्ट, ड्रेस मैटिरियल, फर्नीचर और क्रॉकरी खरीदारों की पसंद बनेंगे।

रिपोर्ट: राकेश शर्मा 'राजदीप'
मोबाइल:9829050939

ईम्फाल (मनीपुर) में बड़े हर्षोल्लास के साथ महाआरती का आयोजन

ईम्फाल (मनीपुर)। परम श्रद्धेय अन्तर्यात्री महापुरुष, अपराजेय साधक, युगपुरुष, संस्कृति शासनाचार्य, संत शिरोमणी आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज के 50वे स्वर्णिम आचार्य पदार्पण दिवस के उपलक्ष्य में मार्ग कृष्ण 2 दिनांक 10 नवंबर 2022 वार बृहस्पतिवार को सायं 7:00 बजे श्री दिगंबर जैन मंदिरजी, ईम्फाल (मनीपुर) में बड़े हर्षोल्लास के साथ महाआरती का आयोजन किया गया ।

आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज का 51वां आचार्य पदारोहण दिवस भक्ति भाव के साथ मनाया

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया

नौ भाषाओं के ज्ञाता आजीवन षष्ठ रस त्यागी चलते फिरते पूरे भारत में पद विहार करने वाले जैन जगत के सर्वोच्च शिखर पर विराजमान परम पूज्य शंतशिरोमणि गुरुवर आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज का 51 वा आचार्य पदारोहण दिवस भक्ति भाव के साथ मनाया गया । श्री दिगंबर जैन दोनों मंदिर जी में भगवान का महा अभिषेक के साथ सभी भक्तों के द्वारा संत शिरोमणि गुरुवार आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ओर वात्सल्य रत्नाकर आचार्य विमल सागर जी महाराज दोनों आचार्य जी पूजन मुनि श्री 108 मुनि विशल्य सागर जी महाराज के सानिध्य में मनाया गया सभी भक्तों के द्वारा आचार्य श्री के चरणों में श्रीफल चढ़ाया गया ।इस अवसर पर संघस्थ दीदी ओर स्थानीय पंडित अभिषेक शास्त्री ने अपने उदगार में कहा किसंत शिरोमणि 108 आचार्य श्री विद्या सागर जी महाराज ये ऐसे संत है जिनका जीवन एक सम्पूर्ण दर्शन है जिनके आचरण में जीवों के लिए करुणा पलती है जिनके विचारों में प्राणी मात्र का कल्याण आकर लेता है,जिनकी देशना में जगत अपने सदविकास का मार्ग प्रशस्त करता है। आप निरीह, निस्पृह वीतरागी है फिर भी आपके विचार भारतीयता के प्रति अगाध निष्ठा, राष्ट्रभक्ति और कर्तव्यपरायणता से ओतप्रोत हैं। आपका चिंतन प्राचीन भारतीय हितचिंतको दार्शनिको एवं संतो का अनुकरण करते हुए भी मौलिक है। आचार्य महाराज तो ज्ञानवारिधी है और उनके विचारों को संकलित करना छोटी सी अंजुली में सागर को भरने का असंभव प्रयास करना है साथ ही समाज के मंत्री जैन ललित सेठी, संयोजक जैन सुरेन्द काला, कार्यक्रम संचालन जैन सुनीता सेठी के साथ बहुत लोगों ने भक्ति और अपने उदगार ब्यक्त किये इस कार्यक्रम में समाज के सेकड़ो लोग शामिल हुए।**कोडरमा मीडिया प्रभारी जैन राज कुमार अजमेरा, नविन जैन**

णमोकार महामंत्र बैंक संचालन समिति जयपुर

दुर्गापुरा में णमोकार महामंत्र जाप्य लेखकों का 24वां सम्मान समारोह सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य गणिनी आर्यिका श्री 105 भरतेश्वरमति माताजी ससंघ के सानिध्य में शनिवार दिनांक 12 नवम्बर को श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुगार्पुरा जयपुर में णमोकार महामंत्र बैंक संचालन समिति जयपुर ने 24वां णमोकार महामंत्र जाप्य लेखकों का सम्मान समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम में परम पूज्य मुनि श्री 108 मार्दवनंदी जी मुनिराज का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेन्द्र कुमार जैन बज संरक्षक णमोकार महामंत्र बैंक संचालन समिति जयपुर ने की। मुख्य अतिथि शिखर चन्द जैन कासलीवाल, श्रीमती गुणमाला जैन पापड़ीवाल, विशिष्ट अतिथि राजकुमार जैन गंगवाल दीप प्रज्जवलनकर्ता रमेश चंद जैन भौंच पीलीया वाले एवं मुख्य वक्ता पंडित चन्दन मल जैन अजमेरा थे। प्रचार मंत्री राजेन्द्र कुमार जैन काला ने बताया कि मंगलाचरण श्रीमती रेखा पाटनी ने किया। गणिनी आर्यिका श्री 105 भरतेश्वर मति माताजी ससंघ का णमोकार महामंत्र बैंक संचालन समिति जयपुर ने आशीर्वाद प्राप्त किया। समिति के अध्यक्ष रतन लाल जैन कोठारी ने उपस्थित हुए सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए समिति की गतिविधियों से अवगत कराते हुए बताया कि वर्ष 2022 में 33 हीरक,76 स्वर्ण व 150 रजत पदक से लेखकों का सम्मान किया जा रहा है। कुल एक करोड़ सत्रह लाख पचास हजार मंत्र लिखें गए। आर्यिका श्री के आशीर्वचन से पूर्व सवा लाख मंत्र लिखने वाले सुभाष जैन व श्रीमती चंदा देवी जैन का हीरक पदक से सम्मानित किया ।गणिनी आर्यिका श्री 105 भरतेश्वर मति माताजी ने आशीर्वचन में बताया कि णमोकार महामंत्र जाप के लेखन में मन वचन काय तीनों का उपयोग लगता है अतः आप सभी लेखन कार्य करके पुण्य अर्जन कर अपना जीवन सफल करें। मंत्री बाबूलाल जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन श्रीमती शालिनी बाकलीवाल ने किया।

भारत गौरव गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी का दौसा में सोमवार को होगा भव्य मंगल प्रवेश

आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पर उपाध्याय उर्जयन्त सागर महाराज से होगा भव्य मिलन

जयपुर. शाबाश इंडिया

भारत गौरव, स्वस्ति धाम प्रणेत्री गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ससंघ का सोमवार,14 नवम्बर को दौसा के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में विशाल जुलूस के साथ भव्य मंगल प्रवेश होगा। इससे पूर्व माताजी ससंघ जयपुर से दौसा की ओर मंगल विहार करते हुए रविवार को आर टी डी सी मिडवे के सामने राजपूत कालोनी पहुंचेगी। गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी चातुर्मास व्यवस्था समिति के मुख्य समन्वयक रमेश ठोलिया एवं उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि शनिवार ,12 नवम्बर को सायंकाल जटवाड़ा स्थित बख्शी फार्म हाउस में माताजी ससंघ का जयकारों के बीच भव्य मंगल प्रवेश हुआ।इस मौके पर दौसा जैन समाज , जयपुर

मिडवे के सामने से रवाना होगा मंगल प्रवेश जुलूस

के जैन बन्धुओं सहित महेन्द्र बख्शी एवं परिवार जनों द्वारा माताजी ससंघ की भव्य अगवानी की गई।इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण शामिल हुए। चातुर्मास कमेटी के उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि माताजी ससंघ का पदमपुरा से जयपुर ,श्री महावीर जी होते हुए ज्ञान तीर्थ मुरैना के लिए मंगल विहार चल रहा है।विहार समिति के दीपक बिलाला एवं सूर्य प्रकाश छाबड़ा ने बताया कि शनिवार को माताजी प्रातः झर स्कूल से पोटली मोड़ पहुंची जहां माताजी ससंघ की आहार चर्या सम्पन्न हुई।इस मौके पर विहार में माताजी ससंघ के साथ एडवोकेट सुधीर जैन, रमेश ठोलिया, विनोद जैन कोटखावदा,दीपक बिलाला, सूर्य प्रकाश छाबड़ा, जिनेन्द्र जैन जीतू, पी सी छाबड़ा,राजेन्द्र जैन, आलोक मित्तल,विनेश सोगाणी, राजेन्द्र जैन मोजमाबाद, मनीष लुहाड़िया, देवेन्द्र गिरधरवाल, गजेन्द्र शाह, आलोक जैन, राजेन्द्र खेरवाल, प्रवीण जैन, निर्मल जैन,आरती मित्तल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठीजन उपस्थित थे। दोपहर बाद पोटली मोड़ बासखो से रवाना होकर सायंकाल बख्शी फार्म हाउस पहुंची। जहां रात्रि विश्राम हुआ। जैन के मुताबिक माताजी ससंघ का दौसा के रोडवेज बस स्टैंड के सामने स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सोमवार,14 नवम्बर को प्रातः 8.00 बजे भव्य जुलूस के साथ मंगल प्रवेश होगा। जहां उपाध्याय उर्जयन्त सागर महाराज से मंगल मिलन होगा। इस मौके पर जयपुर सहित आसपास के गांवों कस्बों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण शामिल होंगे।

एसजीएफआई जिला स्तरीय प्रतियोगिता में महावीर पब्लिक स्कूल ने परचम लहराया

जयपुर. शाबाश इंडिया

6 से 9 नवम्बर तक विभिन्न राजकीय स्कूलों में संचालित एसजीएफआई जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में महावीर पब्लिक स्कूल के छात्र व छात्राएं एक बार फिर अग्रणी रहे। जिला स्तरीय जूडो चैंपियनशिप, फागी में हिमांशी केसवानी व दिव्यांश सोनी ने स्वर्णपदक, अर्क खंडेलवाल व अगस्त सैनी ने कांस्यपदक प्राप्त किया। जिला स्तरीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप, जयपुर में काजल शेखावत ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। जिला स्तरीय बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप, फागी में अंडर-19 गर्ल्स टीम में समृद्धि जैन,भव्य पटेल, मिमांशी शर्मा, सुदीक्षा चंदेल व अनुषा अग्रवाल ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया तथा अंडर-19 बॉयस टीम में मिहिर शेखर शर्मा,गौरव शर्मा,रुद्र कामरा,अनुज सोनी व देव श्री पारीक ने स्वर्णपदक प्राप्त किया। इसके साथ ही अंडर-19 में महावीर पब्लिक स्कूल ने ऑल ओवर बैडमिंटन चैंपियनशिप जीती। छात्रों के बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए एसजीएफआई स्टेट टूर्नामेंट के लिए मिहिर शेखर शर्मा,गौरव शर्मा,समृद्धि जैन,भव्य पटेल,सुदीक्षा चंदेल व अनुषा अग्रवाल का बॉल बैडमिंटन में, हिमांशी केसवानी व दिव्यांश सोनी का जूडो में एवं काजल शेखावत का ताइक्वांडो में चयन किया गया। विद्यालय के अध्यक्ष उमराव मल संघी, मानद् मंत्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला, संयोजक सुदीप ठोलिया एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्यों तथा विद्यालय की प्राचार्या सीमा जैन ने छात्रों को उनकी उपलब्धियों के लिए बहुत-बहुत बधाई दी और उनके बेहतर भविष्य के लिए उन्हें आशीर्वाद दिया।

रामकथा सत्संग प्रवचनमाला पर आधारित जैन रामायण का हस्तलिखित ग्रंथ तैयार करने पर चंवरिया को किया सम्मानित

प्रतिभा सम्मान समारोह: उत्कृष्ट कार्य करने पर जैन समाज की सेकड़ों प्रतिभा को किया सम्मानित

निवाई. शाबाश इंडिया। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आर्यिका विज्ञा श्री माताजी के सानिध्य में अग्रवाल मंदिर पर अष्टान्हिका महापर्व एवं चातुर्मास समापन के अवसर पर प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें अपार जन समुदाय के बीच उत्कृष्ट कार्य करने पर जैन समाज निवाई की ओर से मोहनलाल चंवरिया एवं मीडिया प्रभारी विमल जौंला को पगड़ी तिलक लगाकर एवं स्मृति चिन्ह देकर राजस्थानी परम्परा अनुसार सम्मानित किया गया। जैन समाज के मंत्री महावीर प्रसाद पराणा एवं सुनील भाणजा ने बताया कि यह सम्मान आर्यिका विज्ञा श्री माताजी द्वारा उनके निवाई मे चल रहे वर्षायोग के दौरान आचार्य पूज्यपाद स्वामी रचित श्री इष्टोपदेश ग्रंथ पर किये गए प्रवचनों पर आधारित चंवरिया द्वारा 350 पेज के नवीन ग्रंथ पर हस्तलिखित संकलन पर किया गया।

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के स्वर्णिम पदारोहण दिवस पर भव्य आरती का आयोजन किया गया

बारां. शाबाश इंडिया

आचार्य महापुरुष, आध्यात्मिक सरोवर के राज हंस 108 आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के स्वर्णिम पदारोहण दिवस पर भव्य आरती का आयोजन किया गया। महासमिति अध्यक्ष चन्द्रकला सेठी ने बताया कि दिगम्बर जैन महासमिति एवं जैन समाज बाराँ के सानिध्य में आरती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में 48 दीपक भक्तामर आराधना की गई। सचिव सरला जैन ने बताया कि देश के सभी जैन मंदिरो पर सामूहिक आरती का आयोजन किया गया। बाराँ में भी इसी कार्यक्रम पर 108 दीपक से आरती का महा आयोजन किया गया। महासमिति की मीडिया प्रभारी ललिता टोंग्या ने कहा कि समाज अध्यक्ष अशोक सेठी,कोषाध्यक्ष मनोज नोपडा, घीसालाल टोंग्या,राकेश सेठी,वीरेंद्र कासलीवाल सहित कई सम्मानीय सदस्यों ने कार्यक्रम में भागीदारी निभाई। साथ ही महासमिति की युवपरकोष्ठ मंत्री रानी नोपडा, कोषाध्यक्ष चन्द्रकला पाटनी, संतोष कासलीवाल, सोनिया चंदवाद विद्या गोधा,सुनीता पोरवाल, संगीता बड़जात्या, शकुंतला सोनी,मधु बज, संगीता कासलीवाल, अनिता पोटल्या, शकुंतला गोधा एवं समाज की 50 से अधिक महिला व पुरुषों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

राजस्थान मरूधरा ग्रामीण बैंक में डिपोजिट स्कीम के तहत आकर्षक ब्याज दर हुई लॉन्च

कुचामन. शाबाश इंडिया

राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक में ग्राहकों को लाभान्वित करने हेतु एक नई जमा योजना विशेष ब्याज दर पर लांच की गई है, कुचामन सिटी के शाखा प्रबंधक नीरज गुप्ता ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत बैंक द्वारा सभी ग्राहकों को "say l,say R MGB" डिपोजिट स्कीम के तहत 7.07 % की आकर्षक ब्याज दर का लाभ दिया जा रहा है।

णमोकार महामंत्र लेखन पर स्वर्ण पदक से नवाजा

श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर दुर्गापुरा जयपुर में टोंक के लेखको का किया सम्मान

टोंक. शाबाश इंडिया। श्री 105 श्री भरतेश्वरमती माता के सानिध्य में णमोकार बैंक संचालन समिति जयपुर द्वारा णमोकार महामंत्र लेखन पर स्वर्ण पदक से श्रीं चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर दुर्गापुरा जयपुर में टोंक के णमोकार महामंत्र लेखन कार्य करने वालों का सम्मान किया गया। श्री दिगंबर जैन महासमिति टोंक के प्रवक्ता मोहन सिहल ने बताया कि प्रकाश पटवारी जैन हाउसिंग बोर्ड टोंक एवं साथियों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। प्रकाश पटवारी जैन ने 51000 णमोकार महामंत्र लिखें। साथ ही नगीना देवी धर्मपत्नी अनिल कासलीवाल बुंदी वाले हाउसिंग बोर्ड एवं आशा जैन भोसा धर्मपत्नी सुनिल जैन भोसा मानक चोक पुरानी टोंक ने भी 51000 णमोकार महामंत्र लिखें। सर्वाधिक णमोकार महामंत्र लेखन कार्य करने वाले त्रिलोक चंद जैन पुत्र राम निवास जैन अस्थल रोड़ टोंक निवासी 125000 णमोकार महामंत्र लिखने पर रहे, संतरा देवी धर्मपत्नी धनराज जैन मानक चोक पुरानी टोंक ने 25000 णमोकार महामंत्र एवं सुनिता जैन धर्मपत्नी प्रकाश चन्द्र सेठी शिवाजी नगर कम्पू टोंक ने 21000 णमोकार महामंत्र लिखें। जैन समाज टोंक में स्वर्ण पदक प्राप्त करने पर खुशियों का माहोल रहा सभी सम्मानित धर्म प्रेमियों को टोंक जैन समाज ने बधाईयां दी ।

महाआरती और भक्तामर पाठ भक्ति पूर्वक आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। बगरू वाला जैन मंदिर ट्रस्ट स्टेशन रोड पर आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के स्वर्णिम आचार्य पदारोहण दिवस के अवसर पर महाआरती और भक्तामर पाठ भक्ति पूर्वक किया गया। इस अवसर को उल्लास सहित मनाया गया। सभी ने मिलकर धर्म प्रभावना की।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

जैन मंदिर काठमांडू में आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का 50 वा स्वर्णिम आचार्य पदारोहण दिवस

काठमांडू, नेपाल. शाबाश इंडिया

सामुहिक जिनेन्द्र आराधना संस्था व मन्दिर व्यवस्था कमेटी के सयुक्त संयोजकत्व मे आयोजित अंतर यात्री महापुरुष संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज का 50 वा स्वर्णिम आचार्य पदारोहण दिवस जैन मंदिर काठमांडू में ब्रह्मचारी सुनील भैया अनंतपुरा इंदौर के सानिध्य में बहुत ही हर्षो उल्लास व भक्ति भाव के साथ मनाया गया । सामूहिक जिनेंद्र आराधना नेपाल शाखा के अध्यक्ष सुभाष अनिता जैन सेठी व मंदिर व्यवस्था समिति के अध्यक्ष मुनेश जैन ने बताया कि कार्यक्रम का संचालन सुमित जैन ने किया व कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन द्वारा किया गया। इस अवसर पर पूरे मंदिर क्षेत्र को सुसज्जित व प्रकाशमय किया गया। शाम

को 8:00 बजे समस्त समाज द्वारा प्रत्येक के हाथ में एक दीपक लेकर 50 दीपको से उमंग व उत्साह के साथ भव्य महाआरती की व सभी ने झूम- झूमकर भक्ति का आनन्द लिया। ब्रह्मचारी सुनील भैया, सुभाष जैन, मुनेश जैन, सुमित जैन, पंकज जैन, प्रभु दयाल जैन, बृजेश जैन व मदन धनावत, संतोष जैन, एकता जैन व राजेश जैन आदि वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। ब्रह्मचारी सुनील भैया ने अपने विचारों में कहा कि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज भारत भूमि के प्रखर तपस्वी, चिंतक,कठोर साधक व लेखक है। पिछले 5 दशक से त्याग, तपस्या, ज्ञान, साधना, संयम, आराधना और अपनी करुणा के प्रभाव से जिन शासन की ध्वजा का शीर्ष ऊंचा कर रहे हैं। आचार्य श्री वर्तमान में भारत की वसुंधरा पर साधनारत जैन संतों में सबसे श्रेष्ठ व ज्येष्ठ संत है । उनका सम्पूर्ण जीवन त्यागमय है, जिन पर हमारी संस्कृति, समाज और राष्ट्र गौरव करता है। इस पंचम काल में श्रमण संस्कृति के ऐसे शिखर संत का हमारे बिच होना हम सबके लिए गर्व और गौरव की बात है। अंत में ब्रह्मचारी सुनील भैया का जैन समाज के द्वारा नेपाल जैन रत्न की उपाधि से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया।

जिंदगी का भरोसा नहीं इसलिए परिग्रह न्यूनतम कर संयम-साधना अंगीकार करो: समकितमुनिजी

साध्वी संयमप्रभाजी के देवलोकगमन पर लोगस्स की आराधना एवं श्रद्धाजंलि सभा

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। आगम मर्मज्ञ, प्रज्ञामहर्षि डॉ. समकितमुनिजी म.सा. आदि ठाणा धन्यावाद यात्रा के तहत 12 नवम्बर शनिवार सुबह श्याम विहार से मंगलविहार करके सांगानेर रोड स्थित यश सिद्ध स्वाध्याय भवन पहुंचे। यहां धर्मसभा का आयोजन फतहनगर में मेवाड़ परम्परा की वरिष्ठ महासाध्वी संयमप्रभाजी म.सा. के देवलोकगमन होने के कारण स्थगित रख श्रद्धाजंलि सभा का आयोजन किया गया। इसमें मुनिश्री ने देवलोकगमन करने वाली

महासाध्वीजी के दिवंगत आत्मा की मुक्ति के प्रार्थना के साथ श्रावक-श्राविकाओं से लोगस्स पाठ की आराधना कराई। उन्होंने दिवगंत साध्वी संयमप्रभाजी म.सा. को भावाजंलि अर्पित करते हुए कहा कि अंबेश गुरू परिवार से जुड़कर लंबे समय तक संयमी जीवन की पालना करने वाली महासाध्वी संयमप्रभा पूज्य सौभाग्यमुनिजी, मदनमुनिजी, प्रेमवतीजी म.सा. की शिष्या होकर सहजता व सरलता की मिसाल थी। उन्होंने दीर्धकालीन संयमित जीवन जीते हुए जिनशासन की प्रभावना की। संयम के साथ अंतिम समय में संथारापूर्वक आराधना करते हुए भव परिवर्तन किया। उन्होंने कहा कि इस जीवन का कोई भरोसा नहीं कब समाप्त हो जाए इसलिए सांसारिक सुखों से दूर होना शुरू करें और संयम व साधना से स्वयं को जोड़े। उन्होंने कहा कि पचास वर्ष का जीवन जीने के बाद व्यक्ति के पास अधिक समय नहीं होता है उसे परिग्रह न्यूनतम कर संयम व साधना को अंगीकार करना चाहिए। जिंदगी समाप्त होने पर परिग्रह की गई सामग्री नहीं आत्मकल्याण के लिए जो किया गया वह ही काम आएगा।

नेट थिएट पर जमा भजनों का रंग

'भज मन राम चरण सुखदाई'

जयपुर. शाबाश इंडिया

नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज उभरते युवा गायक कलाकार पुनीत गुप्ता और अनामिका मौर्य ने अपने सुरों के जादू से ऐसा मनमोहा की लोग प्रभु भक्ति में लीन हो गए। नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि कलाकार पुनीत गुप्ता ने जब अपनी मधुर वाणी से ''भज मन राम चरण सुखदाई'' गाया तो लोग भक्ति में लीन हो गए। इसके बाद उन्होंने ''कौन श्याम खोजें तू ए बावरिया'' सुनाया और फिर ''जरा हल्के गाड़ी हांको मेरे राम गाड़ी वाले'' और ''मेरी आपकी कृपा से सब काम हो रहा है'' सुनाकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। इनके साथ कलाकार अनामिका मौर्य ने पायोजी मैंने राम रतन धन पायो और 'ओ पालनहारे निर्गुण और न्यारे'' सुनाकर सभी श्रोताओं को कृष्ण भक्ति में लीन कर दिया। इनके साथ तबले पर नरेंद्र सिंह, कीबोर्ड पर मृगेंद्र शरण एवं गिटार पर अर्जुन सैनी ने असरदार संगतकर माहौल को भक्तिमय कर दिया ।कार्यक्रम का संचालन आर डी अग्रवाल ने किया ।कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी, प्रकाश संचालन मनोज स्वामी, कैमरा अनिल मारवाड़ी और तपेश शर्मा एवं मंच सज्जा जितेश शर्मा, अंकित शर्मा नोनू एवं जीवितेश शर्मा की रही।

भुज में ऐतिहासिक आध्यात्मिक मिलन

भुज. शाबाश इंडिया। युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी के सुशिष्य डॉ मुनिश्री पुलकित कुमारजी, मुनि आदित्य कुमारजी आदि ठाणा दो एवं गांधीधाम से चातुर्मास संपन्न कर पधारे मुनिश्री निकुंज कुमारजी, मुनि मार्दव कुमारजी आदि ठाणा दो का आध्यात्मिक मिलन महावीर जैन बोर्डिंग भुज के प्रांगण में हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में तेरापंथ श्रावक समाज के अलावा अन्य जैन समाज का श्रावक समाज भी उपस्थित थे एवं स्थानकवासी 6 कोटी संप्रदाय की साध्वी अंजनाबाई महासतीजी, छायाबाई महासतीजी एवं नंदिनीबाई महासतीजी आदि साध्वीयां इस तेरापंथ के संतों के विषेश आध्यात्मिक मिलन के प्रसंग को देखने के लिए वहां पर उपस्थित हुए।

प्रभु के चरणों में नमस्कार से विनष्ट होता अहंकार : सुधासागर

जैन स्तोत्र साहित्यानुशीलन संगोष्ठी में विद्वानों के आलेख पर मुनि श्री द्वारा सम्बोधन

ललितपुर. शाबाश इंडिया

अभिनंदनोदय अतिशय तीर्थ क्षेत्र पर जैन स्त्रोत साहित्यानुशीलन राष्टीय विद्वत्संगोष्ठी में मुनि सुधासागर महाराज ने कहा प्रभु की वंदना स्तुति में श्रावक नमस्कार करना अनिवार्य है। प्रभु के चरणों में नमस्कार से ही अहंकार विनष्ट होता है। स्तुति गुणानुवाद पूर्वक होती है और नमस्कार में समर्पण रहता है। मुनि श्री ने संसार से वैराग्य के लिए सिद्धो का स्तवन करने को कारण बताया। उन्होने स्तोत्रों को जीवन में उपयोगी बताते हुए कहा जो प्रभु की भक्ति करेगा वह संसार में कभी दुखी नहीं होगा और भक्ति यदि चरम पर पहुच गई तो मुक्ति की प्राप्ति भी असंभव नहीं होगी। जैन स्तोत्र साहित्यानुशीलन राष्टीय विद्वत्संगोष्ठी के द्वितीय दिवस मुनि सुधासागर महाराज एवं मुनि पूज्य सागर महाराज एलक धैर्यसागर महाराज क्षुल्लक गम्भीर सागर महाराज के ससंघ सानिध्य में आचार्य श्री के चित्र अनावरण दीपप्रज्जवलन से हुआ। प्रारम्भिक सत्र में की अध्यक्षता डा. जयकुमार जैन मुजफरनगर अधिष्ठाता श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर ने की जिसमें सारस्वत अतिथि प्रो. सुदर्शन लाल जैन भोपाल तथा संयोजन पं. संजीव जैन महरौनी द्वारा किया गया। प्रो. अशोक कुमार जैन वाराणसी ने एकीभाव स्तोत्र में भक्ति की अवधारणा को आलेक के माध्यम से जहां प्रस्तुत किया वहीं प्रो. विजय कुमार जैन लखनउ ने आप्तमीमांसा में सर्वज्ञ का स्वरूप व पं. आलोक जैन मोदी ने एकीभाव स्तोत्र में परमात्मा का स्वरूप अपने आलेख में बताया। मध्यान्ह सत्र की अध्यक्षता प्रो. विजय कुमार जैन लखनउ ने की जिसमें सरस्वत अतिथ प्रो. श्रयांस सिंघई जयपुर रहे तथा संचालन डा. सुमत कुमार जैन उदयपुर ने किया। संगोष्ठी में प्रो. श्रीयांस कुमार सिंघई जयपुर ने स्तुति विद्या का भाव पक्ष, प्रो. फूलचंद जैन प्रेमी वाराणसी ने संस्कृत शतक साहित में स्तुति विद्या का वैशिश्टय प्रो. कमलेश कुमार जैन वाराणसी द्वारा वृहत्स्वयम्भू स्तोत्र का दार्शिनिक पक्ष, प्रो. अनेकान्त जैन नई दिइल्ली द्वारा स्तोत्र साहित्य में नारी एवं लक्ष्मी की अवधरणा, डा. राका जैन लखनउ द्वारा भक्ताम्मर स्तोत्र का काव्यात्मक वैशिष्टय, डा. अनिल कुमार जैन जयपुर द्वारा कल्याण मंदिर स्तोत्र के आलम्बन भगवान पार्श्वनाथ और उनका वैशिष्टय, डा. सुमत कुमार जैन उदयपुर द्वारा प्रमुख प्राकृत स्तोत्रकार स्तोत्र एवं उनका प्रभाव, डा. पंकज जैन इन्दौर द्वारा स्तोत्र साहित्य में पुण्य पाप की मीमांसा अपने आलेख में प्रस्मतुत की। अन्तिम सत्र की अध्यक्षता प्रो. कमलेश कुमार जेन वाराणसी ने की जिसमें सरस्वत अतिथ प्रो. अभय कुमार जैन वीना ने की तथा संयोजन डा. ज्योति जैन खतौली ने किया। संगोष्ठी में प्रो. सुदर्शन लाल जैन भोपाल द्वारा भक्ताम्मर स्तोत्र का दार्शनिक परिशीलन,डा. नरेन्द्र कुमार जैन सनावद द्वारा महावीराष्टक स्तोत्र एक परिशीलन, डा. किरण प्रकाश जैन सांगानेर द्वारा विषापहार स्तोत्र में वर्णित जिनेन्द्र परमात्मा का प्रभाव, प्रो. महेन्द्रकुमार जैन द्वारा स्तुतियों का इतिहास, पं. महेश जैन द्वारा स्तोत्र साहित्य में करूणानुयोग के बीज, पं. प्रदीप जैन द्वारावृहत्स्वयंम्भू स्तोत्र में सप्त तत्व की अवधारणा, श्रीमती निर्मला सांघी जयपुर द्वारा जैन स्तोत्र साहित्य में आगत विशेषण दृष्टान्त और उनका वैशिष्टय,पं. अशोक जैन शास्त्री इन्दौर द्वारा आचार्यश्री मानतुंग का जीवन परिचयएवं तपस्या स्थल,डा. राजेन्द्र चिन्तामणि जैन नागपुर द्वारा वृहत्स्वयंम्भू स्तोत्र में वारह भावना अनुचिन्तन पं. अभिषेक जैन इटारसी द्वारा जैन परम्परा में समस्या पूर्ति परक जैन साहित्य विषय पर आलेख प्रस्तुत किया।